विचार बिन्दु

यदि कोई दुर्बल मानव तुम्हारा अपमान करे तो उसे क्षमा कर दो, क्योंकि क्षमा करना ही वीरों का काम है। परंतु यदि अपमान करने वाला बलवान हो तो उसको अवश्य दण्ड दो। –गुरु

भगवान महावीर ने कहा है अहंकार वर्तमान में सुख दे सकता है, भविष्य में तो नुकसान होगा

जय हो! जय हो!! जय हो!!!

भारत के संविधान की जिसने हमारे देश भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य दिया।

जय जय जय जय हो!

भारत की सर्वोच्च न्यायालय की संविधान पीठ की यशस्वी मुख्य न्यायाधीश डी वाई चन्द्रचूड हैं और जिनके नेतृत्व में 4 अन्य माननीय न्यायाधीशों ने दिनांक 11.12.2023 को एक मत से यह ऐतिहासिक निर्णय दिया कि केन्द्र सरकार ने दिनांक 05.02.2023 को जम्मू कश्मीर से रद्द कर दिया था। वह वैध था, पूर्ण वैधानिक प्रक्रिया की पालना करते हुये दिया था और उसमें दुर्भावना भी नहीं थी। इस प्रकार माननीय संविधान पीठ ने केन्द्र के निर्णय पर वैधता की मोहर लगा दी। यह निर्णय 05.08.2019 के निर्णय के 4 वर्ष 4 माह व 6 दिन आया है और यह निर्णय 476 पृष्ठों का है।

लेखक कानून विद्यार्थी है अत: अधिकार के साथ कह सकता है कि संविधान पीठ का यह निर्णय अभूतपूर्व है जो भी वैधानिक प्रश्न उठाये गये थे उनका स्पष्ट सारगर्भित, पठनीय और बिना किसी अगर-मगर के है, जिसे साधारण नागरिक भी समझ सकता है। यह निर्णय पारदर्शी और देश के भविष्य के लिये दिशा बोधक है तथा नागरिकों के उज्जवल भविष्य की कामना करता है नये सुबह की बाग देता है। निर्णय भारतीय लोकतंत्र को विश्व का श्रेष्ठतम लोकतंत्र बनाने में सहायक होगा। माननीय सर्वोच्च न्यायालय की 5 जजों की संविधान पीठ का यह निर्णय एक मत से है। यद्यपि जस्टिस डी वाई चन्द्रचूड़, जस्टिस बी आर गवई, जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस संजीव खन्ना की पीठ ने तीन विभिन्न अपने-अपने विचार हैं फिर भी संविधान पीठ का निर्णय एक मत है और माना है कि 1947 में महाराजा हरीसिंह जी ने भारत के साथ जम्मू-कश्मीर, उनके राज्य का विलय किया। विलय के बाद जम्मू-कश्मीर के पास सम्प्रभुता समाप्त हो गई जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग बन गया। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 1 से भी यह बात सिद्ध है। इस ऐतिहासिक निर्णय की मुख्य बातें इस प्रकार हैं:–

1) अनुच्छेद 370 के इस केस में सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि संविधान के Substantive प्रावधानों में विज्ञप्ति के द्वारा कोई संशोधन नहीं हो सकता, क्योंकि संविधान में संशोधन करने की प्रक्रिया अनुच्छेद 368 में दी गई है। इसमें बतलाया है कि प्रथम तो संसद की संशोधन बिल प्रस्तुत करना होगा और संसद सदस्यों के दो तिहाई मतों से दी गई प्रक्रिया के द्वारा पास कराना है। चूंकि यह बाध्यकारी प्रक्रिया नहीं अपनाई गई अतएव माननीय न्यायालय ने यह माना कि राष्ट्रपति का आदेश CO 273 उस सीमा तक अवैध है जहां उक्त आदेश के द्वारा अनुच्छेद 367 में यह जोडा गया है और बतलाया गया है कि लेजेस्लेटिव असेम्बली जम्मू व कश्मीर व राज्य की सरकार को जम्मू व कश्मीर सरकार कहा गया है वह सही नहीं था, उसे राज्य की असेम्बली गवर्नर ऑफ जम्मू व कश्मीर समझना चाहिये। इस प्रकार माननीय न्यायालय ने संवैधानिक विज्ञप्ति CO 273 (जो राष्ट्रपति ने जारी की थी) इससे स्पष्ट हुआ कि अनुच्छेद 370 में सुधार करने के लिये जम्मू-कश्मीर असेम्बली की राय आवश्यक नहीं थी। इस प्रकार अनुच्छेद 367 में जो परिवर्तन किया गया उसे माननीय न्यायालय ने उचित नहीं मानते हुये भी राष्ट्रपति आज्ञा CO 273 से जम्मू व कश्मीर के विशेष स्टेट्स को नहीं माना। अत: आज्ञा क्रमांक CO 273 को मान्य माना गया।

लेखक कानून विद्यार्थी है अतः अधिकार के साथ कह सकता है कि संविधान पीठ का यह निर्णय अभूतपूर्व है जो भी वैधानिक प्रश्न उठाये गये थे उनका स्पष्ट सारगर्भित, पठनीय और बिना किसी अगर-मगर के है, जिसे साधारण नागरिक भी समझ सकता है। यह निर्णय पारदर्शी और देश के भविष्य के लिये दिशा बोधक है तथा नागरिकों के उज्जवल भविष्य की कामना करता है नये सुबह की बाग देता है।

2) संविधान पीठ ने माना कि सर्वोच्च न्यायालय भी भारत के राष्ट्रपति के निर्णय को नहीं बदल सकता। अनुच्छेद 370(1) (डी) के अन्तर्गत जारी कई संवैधानिक आदेशों से पता चलता है कि केन्द्र व राज्य ने संविधान जम्मू कश्मीर में लागू किया था। अधिसूचना जारी करने की शक्ति राष्ट्रपति के पास है वह वैध है।

3) माननीय संविधान पीठ ने माना कि अनुच्छेद 370 अस्थायी था। राज्य में युद्ध की परिस्थिति में यह प्रावधान था। यही कारण था कि इसे संविधान के भाग 21 में रखा गया संविधान सभा वहां नहीं है अत: जिस उद्देश्य पूर्ति के लिये इसे लाया गया, वहीं समाप्त हो गया और साथ ही अनुच्छेद 370 भी।

4) संविधान पीठ के निर्णय से यह स्थापित हो गया है कि केन्द्र और कोर्ट ने भारत की सम्प्रभुता व अखण्डता पर कोई समझौता नहीं किया। भारत का एक राज्य जम्मू-कश्मीर है और जम्मू कश्मीर व शेष भारत के निवासी समान नागरिक हैं इनमें कोई भेदभाव नहीं है।

5) सुप्रीम कोर्ट ने यह निर्देश दिया है कि आगामी वर्ष के सितम्बर तक जम्मू कश्मीर में चुनाव के लिये कदम उठाये। ध्यान रहे सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट निर्णय दिया है कि लद्दाख को अलग केन्द्र शासित प्रदेश का दर्जा देना भी वैध है।

6) उक्त फैसले के बाद ही केन्द्र सरकार में जम्मू कश्मीर (आरक्षण) संशोधन विधेयक और जम्मू कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक को संसद से सोमवार को पारित करा लिया है।

जन गण मन अधिनायक भारत लोकतंत्र तेरी जय हो!

7) संविधान पीठ के निर्णय से आतंकवादी और देश को तोडने वाले लोग निराशा में डूब गये हैं और कभी भी कोई दु:खद घटना घटित हो सकती है। कुछ वैधानिक कानून के मर्मज्ञ यह बात कर रहे हैं कि केन्द्र द्वारा राज्य की कर्ज लेने की स्वतंत्रता पर अर्थात् Fiscal Federalism पर विपरीत असर डालता है। कुछ का यह भी कहना है कि अनुच्छेद 370 के केस का निर्णय Federalism का बाबत गलत उदाहरण प्रस्तुत करता है। लद्दाख को अलग करना और इस हेतु जम्मू कश्मीर पुनर्गठन संशोधन विधेयक लाना Federalism के सिद्धान्त के विरूद्ध है। संविधान पीठ ने इन पर चर्चा की है और केन्द्र सरकार के कथन का उल्लेख किया है कि इससे राज्य के अधिकारों पर कोई कटौती नहीं होगी। केन्द्र को इनका स्पष्टीकरण करना चाहिये। अनुच्छेद 370 के केस का निर्णय किसी भी प्रकार Worrying Precedent for Federalism नहीं कहा जा सकता। संविधान पीठ का निर्णय क्रान्तिकारी व ऐतिहासिक है।

आइये, मिलजुल कर बन्धुत्व की भावना को बलशाली बनायें। नागरिको को जो जीने का गरिमा मय अधिकार दिया है, वह अक्षुण्ण प्राप्त होता रहे। देश विकास की ऊँचाईयों को छूता रहे, नीति निदेशक तत्वों को साकारता प्राप्त होती रहे।

सभी की जय हो! जय हो! जय जय हो!

ध्यान रहे, भगवान महावीर की शिक्षा थी– व्यक्ति का अहंकार वर्तमान में सुख दे सकता है, किन्तु भविष्य में तो वह दु:खदायी ही होगा।

सबको सन्मति दे भगवान!

–अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन,
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

कचोलिया का झोपड़ा गांव में दो दशक से सड़क जीर्ण-शीर्ण अवस्था में

माण्डलगढ़ के कचोलिया गांव की सड़क कीचड़ व गड्ढों में तब्दील हो चुकी है।

आक्रोशित ग्रामीणों ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के खिलाफ प्रदर्शन किया।

माण्डलगढ़, (निसं)। माण्डलगढ़ के श्रीनगर ग्राम पंचायत के कचोलिया का झोंपड़ा गांव मे एक ऐसी तस्वीर निकल कर सामने आई जो शासन और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर बड़ा सवाल खड़ा कर रही हैं। आज से दो दशक पहले सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा बनाई गई सड़क जिर्णशीर्ण होकर कीचड़ में तब्दील हो चुकी है। गन्दगी और कीचड़ से सनी सड़क के दलदल में गुजरने को लोग मजबूर हैं। ग्रामीणों ने इस समस्या से निजात पाने के लिए प्रशासन के अधिकारियों, नेताओं और गांव के तक गुहार लगाई, लेकिन उक्त समस्या जस की तस बनी हुई हैं। आक्रोशित ग्रामीणों ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी कर प्रदर्शन किया और आंदोलन की चेतवनी दी हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि कचोलिया का झोंपड़ा गांव की आबादी से गुजरकर संग्रामपुरा तक जाने वाले मार्ग की मुख्य सड़क दो दशक पूर्व लोक निर्माण विभाग ने बनाई थी, जो जर्जर होकर गड्ढों व कीचड़ में तब्दील हो चुकी हैं। इस मार्ग पर गन्दगी से अटे कीचड़ और दलदल में वाहन चालक, ग्रामीण व स्कूली बच्चे जान जोखिम में डाल कर निकलने को मजबूर है। लेकिन विभाग और जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों ने आज तक नई सड़क तो दूर पेचवर्क तक नहीं किये हैं।

सरकारी अफ़सर और राजनेता विकास के कई बड़े-बड़े दावे करते हैं। लेकिन इनके खोखले दावों की इस मार्ग पर पोल खुलती नजर आ रही हैं। चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों के लोग लोक लुभावन झांसे देकर ग्रामीणों से वोट हांसिल करने में सफल तो हो जाते है, लेकिन ग्रामीणों की इस समस्या का समाधान नहीं करा सके है।

ग्रामीणों ने बताया कि विगत एक दशक से आबादी के बीच सड़क मार्ग पर बड़े बड़े गड्ढे, गन्दगी और कीचड़ का आलम बना हुआ है। इस मामले की शिकायत स्थानीय विधायक, सरपंच से लेकर पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को कई बार की गई हैं, लेकिन आज तक इस गम्भीर समस्या से लोगों को गुजरना पड़ रहा है।

वार्ड पंच महेंद्र मीणा और ग्रामीणों ने प्रशासन, नेताओं और सरपंच को चेतवनी दी कि कीचड़ वाले मार्ग की समस्या से इस बार निजात नहीं दिलाई गई तो उग्र आंदोलन कर धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

श्रीनगर सरपँच रामलाल भील का कहना है कि संग्रामपुरा सड़क मार्ग पर पेचवर्क या नई सड़क बनाने के लिए ग्राम पंचायत द्वारा कई बार पीडब्ल्यूडी को पत्र लिखे है। लेकिन आज तक कोई ध्यान नहीं दिया गया है।

राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर में श्रमदान किया

अजमेर, (कासं)। सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय में गुरुवार को राष्ट्रीय सेवा योजना की चारों इकाइयों (कला, वाणिज्य, विज्ञान और छात्रा इकाई) के तत्वाधान में प्रथम एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के अंतर्गत महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता हेतु स्वयंसेवकों एवं स्वयंसेविकाओं द्वारा श्रमदान किया गया।

शिविर के प्रारंभ में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अनूप कुमार आत्रेय ने स्वयं सेवको एवं स्वयं सेविकाओं को संबोधित करते हुए जीवन में श्रम के महत्व के बारे में बताया तथा श्रमदान करने हेतु अलग अलग समूह बनाएं। श्रमदान करने दौरान कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मनोज कुमार रावत, डॉ.हरमान सिंह तथा डॉ. देवकी मीणा ने स्वयं सेवको एवं स्वयं सेविकाओं का मार्गदर्शन किया। श्रमदान के अंतर्गत महाविद्यालय परिसर में गणित विभाग, राजनीतिक विज्ञान विभाग, पारसी विभाग के सामने, मंदिर परिसर, सीनियर गर्ल्स हॉस्टल के पास स्थित खेल मैदान तथा हेरिटेज ब्लॉक को स्वयंसेवकों एवं स्वयं सेविकाओं ने श्रमदान कर स्वच्छ किया गया। शिविर के समापन के दौरान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.मिलन कुमार यादव ने सनी स्वयंसेवकों एवं स्वयंसेविकाओं का उत्साहवर्धन करते हुए श्रमदान की सराहना की। शिविर के अंत में स्वयंसेवकों एवं स्वयं सेविकाओं के द्वारा महाविद्यालय परिसर में रैली निकालकर स्वच्छता का संदेश दिया गया।

स्वच्छता का संदेश के लिए छात्र-छात्राओं ने रैली निकाली।

शीत ऋतु के साथ बढ़ने लगी ऊंटों की तस्करी

मुर्शिदाबाद। मौसम में सर्दी की आहट बढ़ने के साथ ही पश्चिम बंगाल में ऊंटों की तस्करी बढ़ने लगी है। बीते माह नवम्बर में प्रशासन ने ऐसे ही 16 ऊंटों को मुर्शिदाबाद थाना क्षेत्र से तस्करों से मुक्त कराया। ये ऊंट मांस की पूर्ति के लिए अवैध रूप से कसाई खाने ले जा रहे थे। पुलिस की तत्परता से इन ऊंटों को मुक्त करा कर ध्यान फाउंडेशन की गौशाला में पुनर्वासित कराया गया।

गत माह नवम्बर को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद थाना क्षेत्र में 16 ऊंटों को अवैध रूप से बूचड़खाने ले जाया जा रहा था। ये ऊंट मांसाहार की पूर्ति के लिए ले जाए जा रहे थे। ज्ञात हो कि ऊंट का मांसाहार न सिर्फ कानूनी रूप से निषेध है अपितु स्वास्थ्य की दृष्टि से भी नुकसानदायक हैं। परंतु शीत ऋतु के आते ही पश्चिम बंगाल परिक्षेत्र में ऊंटों की अवैध तस्करी बढ़ जाती है। पुलिस ने ऐसे ही 16 ऊंटों को तस्करों से मुक्त कराया। तस्करी में बरामद ये ऊंट दयनीन हालत मैंने। इन्हें आश्रय और चिकित्सा की अत्यंत आवश्यकता थी। उक्त ऊंटों को ध्यान फाउंडेशन की राजस्थान स्थित गौशाला में पुनर्वासित किया गया है। गत 10 दिसंबर को यह ऊंट ध्यान फाउंडेशन की राजस्थान स्थित गौशाला पहुंचें। वहां उन्हें त्वरित चिकित्सा मुहैया कराई गई।

ध्यान फाउंडेशन गोवंश को बचाने के लिए करुणा एवं जीव दया की गतिविधियों में शामिल है। पिछले कई वर्षों से ध्यान फाउंडेशन बीएसएफ के साथ मिल कर पश्चिम बंगाल सीमा और असम आदि राज्यों में गोवंश तस्करी रोकने के कार्य में लगा हुए है। सीमा से बचाए हुए गोवंश को ध्यान फाउंडेशन देश भर में बनी अपनी 40 से ज्यादा गौशाला में पुनर्वासित करता है। अब तक 70,000 से ज्यादा गोवंश को पुनर्वासित किया जा चुका है। इसके अलावा दुर्घटनाओं, एसिड हमलों, हमले और चोटों जैसी दयनीय स्थितियों में पीड़ित जीवों की मदद भी शामिल हैं।

भीलवाड़ा स्टेशन सहित अजमेर मंडल पर "एक स्टेशन एक उत्पाद" स्टॉल का संचालन

अजमेर, (कासं)। एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया गया "एक स्टेशन एक उत्पाद" की अवधारणा के अन्तर्गत उत्तर पश्चिम रेलवे अजमेर मंडल के भीलवाड़ा स्टेशन पर स्टाल सफलतापूर्वक संचालित की जा रही है जो कि एक आयुर्वेदिक चूर्ण गोली एवं हर्बल प्रोडक्ट "द्वारकेश" नाम का लोकल प्रोडक्ट है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सुनील कुमार महला के अनुसार इस एक स्टेशन एक उत्पाद (ओएसओपी) स्टाल के बारे में आम यात्रियों एवं स्वयं स्टाल संचालक के विचारों को जानने के लिए बात की गयी। इस क्रम में गाड़ी संख्या 12992 से भीलवाड़ा से उदयपुर जा रहे यात्री अजय शर्मा ने बताया कि उन्होंने आयुर्वेदिक गोली (हींग पेडा) लिया है इसे मैं यात्रा के दौरान उपयोग करूंगा और घर ले जाऊंगा। यह कुछ अलग हटकर ऐसी चीज है जो पहले स्टेशन पर नहीं मिलती थी, रेलवे की यह व्यवस्था मुझे अच्छी लगी।

इसी प्रकार एक अन्य यात्री ने अपने विचार साझा करते हुए बताया कि हमारी गाड़ी आने में अभी 15-20 मिनट का समय बाकी था, हम कुछ वस्तु खरीदने का विचार कर स्टाल तलाश रहे थे कि हमें यह ओ एस ओ पो स्टाल दिख गयी, यहां से हमने जो चीजें ली वे सामान्यत: स्टेशनों पर नहीं मिलती। वहां केवल कोल्ड ड्रिंक, चाय-कॉफी कचोरी-समोसा नाश्ता आदि मिलता है, उनसे अलग हट कर रेलवे द्वारा यह ओएसओपी स्टाल्स शुरू की गयी है जो बिल्कुल नया कॉन्सेप्ट है, हमें बहुत अच्छा लगा। अलग-अलग स्टेशनों पर अलग-अलग टाइप के प्रोडक्ट्स की शॉप होना काफी आकर्षित करता है, यह रेलवे का बहुत ही सराहनीय कदम है।

स्वयं स्टाल संचालक रामबाबू गौड व पंकज गौड ने बताया कि हमारी फर्म एमएसएमई के अन्तर्गत रजिस्टर्ड है जो 'द्वारकेश प्रोडक्ट' के नाम से आयुर्वेदिक चूर्ण गोली एवं हर्बल प्रोडक्ट्स बनाती है। रेलवे की एक स्टेशन एक उत्पाद 'स्कीम के तहत हमें भीलवाड़ा स्टेशन के प्लेटफॉर्म 1 पर स्टाल लगाने का अवसर मिला, इससे हमारे रोजगार को और अधिक बढ़ावा मिल गया है। शुरू-शुरू में पहले हमने यह ओएसओपी स्टाल अस्थायी एक लकड़ी की बेंच लगाकर उस पर प्रोडक्ट सजाकर बिक्री करते थे परन्तु बाद में रेलवे द्वारा बहुत ही शानदार और आकर्षक स्टाल स्थापित करके दी इसमें हम अपने प्रोडक्ट्स को सिस्टेमैटिक तरीके से सजाकर बेच रहे हैं, यह स्टाल यात्रियों के लिये आकर्षण का केन्द्र है। साथ ही हमारे प्रोडक्ट्स को रेलवे की ओ एस ओ स्टाल से एक नई पहचान मिली, हमारी बिक्री बढ़ने के साथ-साथ हमारा ब्रांड आम पब्लिक में विज्ञापित हो रहा है इसलिये हम भारतीय रेल के आभारी हैं।

अजमेर मंडल के अन्य स्टेशनों पर भी इस प्रकार की स्थानीय उत्पादन से संबंधित स्टॉल्स स्थापित की गई है, जिनकी सतत रूप से मॉनिटरिंग सहायक वाणिज्य प्रबंधक मोनिका यादव द्वारा की जा रही है। मण्डल के रेलवे स्टेशनों पर लगाई गई एक स्टेशन एक उत्पाद स्टॉल दूरदराज से आने वाले रेलयात्रियों को लगातार आकर्षित कर रही हैं । जहां यात्रियों को रेलवे स्टेशनों पर संबंधित क्षेत्र के प्रसिद्ध उत्पाद यात्रा के दौरान ही आसानी से मिलने लगे हैं, वहीं उत्पादकों की भी बिक्री होने लगी है।

गोल्ड मैडल जीतने पर भवानी सिंह का स्वागत

चूरू, (कासं)। 66वीं नेशनल शूटिंग चैम्पीयनशिप में गोल्ड मैडल जीतने पर भवानी सिंह का गुरुवार को चूरू पहुंचने पर भव्य अभिनंदन किया गया।

जिला मुख्यालय स्थित दी वॉरियर शूटिंग एकेडमी में पटवारी अजीत भाकर व एकेडमी संचालक पूर्ण सिंह ने गोल्ड मेडल जीतने वाले गांव रिड़खला के खिलाडी भवानी सिंह का माल्यार्पण कर व मिठाई खिलाकर अभिनंदन किया। भवानी सिंह ने बताया कि प्रतिदिन 6 से 7 घंटे कोच पूर्ण सिंह के मार्गदर्शन में की गई कड़ी मेहनत का ही परिणाम है कि आज इस मुकाम पर पहुंचा। खिलाड़ियों को सम्बोधित करते हुए पटवारी अजीत भाकर ने कहा कि भवानी सिंह की मेहनत से सभी को प्रेरणा लेते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के प्रयास करने चाहिए। उन्होंने कहा कि रिड़खला गांव में किसान परिवार में जन्में भवानी सिंह ने अपनी कड़ी मेहनत से राष्ट्रीय प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीतकर साबित कर दिया कि अपना गोल सेट कर उसके अनुसार मेहनत की जाए तो निश्चित रूप से सफलता प्राप्त की जा सकती है। शूटिंग एकेडमी के संचालक पूर्ण सिंह ने कहा कि 66वीं नेशनल शूटिंग प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीतने पर मेडल व सर्टिफिकेट के साथ 5 लाख रूपये से अधिक का नगद पुरस्कार भी सरकार द्वारा दिया जायेगा और राजस्थान सरकार द्वारा आउट आफ टर्न स्पोर्ट्स कोटे से सरकारी नौकरी का लाभ भी युवा खिलाड़ी को मिल सकता है। उन्होंने बताया कि वे 2018 से निरंतर एकडमी का संचालन कर रहे हैं और उन्हें पूरा विश्वास है कि आगामी दिनों में 5 अन्य खिलाडी भी नेशनल ही नही इंटरनेशनल चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। इस अवसर पर तहसीलदार पवन मीणा, नरेन्द्र खीचड़, विनोद प्रजापत, योगेन्द्र सिंह, अदिति, विवेक वर्मा, सुनील, मोहम्मद समी, मुधेश, कमलेश ढ़ाका आदि उपस्थित थे।

■ **66वीं नेशनल शूटिंग चैम्पीयनशिप में गोल्ड मैडल जीता है भवानी सिंह ने**

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शुक्रवार 15 दिसम्बर, 2023

मार्गशीर्ष मास, शुक्ल पक्ष, तृतीया तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2080, पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र प्रात: 8:10 तक, वृद्धि योग दिन 10:17 तक, तैतिल करण दिन 11:43 तक, चन्द्रमा आज दिन 1:45 से मकर राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-धनु, मंगल-वृश्चिक, बुध-धनु, गुरू-मेष, शुक्र-तुला, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज राजयोग सूर्योदय से प्रात: 8:10 तक है। रवियोग प्रात: 8:10 से शनिवार प्रात: 6:25 तक है। आज से जमादि-उलमानि मु.मास 8 आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 8:29 तक, लाभ-अमृत 8:29 से 11:04 तक, शुभ 12:22 से 1:39 तक, चर 4:14 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 7:12, सूर्यास्त 5:31

मेष
परिवार में शुभ संदेश प्राप्त हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है। दिन के मध्यान्ह पश्चात व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

वृष
आज नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। मित्रों/रिश्तेदारों से वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

मिथुन
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियों से राहत मिलेगी। किसी भी कारण से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कन्या
घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। सुख-शांति बनी रहेगी। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
व्यावसायिक वार्ता को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिल सकती है। घर-परिवार में आज महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृश्चिक
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों पर नियंत्रण बना रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
अपने अति आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से करने का प्रयास करें। दिन के मध्यान्ह पश्चात अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। अनावश्यक धन खर्च होगा।

मकर
घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अनावश्यक धन खर्च होगा। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। दिन के मध्यान्ह पश्चात मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

कुंभ
आर्थिक/वित्तीय मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में वाद-विवाद बढ़ सकते हैं।

मीन
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक संबंध बनेंगे। आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा।